विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 25 से 31 दिसंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 32 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

भाजपा राज्य में फिर रही नंबर वन

नगराध्यक्ष चुनाव में शिवसेना शिंदे नंबर दो, मनपा चुनाव को लेकर अपार उत्साह

मुंबई/ अमरावती- राज्य में नगर परिषद तथा नगर पंचायतों के चुनाव में विधानसभा की तरह ही नंबर एक का सेहरा भाजपा ने जहां बरकरार रखा है, वहीं दूसरी ओर सहयोगी शिंदे शिवसेना तथा राकांपा अजीत पवार गुट ने भी नगराध्यक्ष तथा नगर परिषद चुनाव में शानदार सफलता प्राप्त की है. चुनाव में महायुति का डंडा बजते हुए नगर परिषद, नगर पंचायत चुनाव के परिणामों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में जोरदार हर्ष व्याप्त है. राज्य में 288 नगर परिषद तथा नगर पंचायत के नगराध्यक्ष पदों के चुनाव में भाजपा नंबर एक रहते हुए 117 नगराध्यक्ष के साथ पार्टी ने रिकार्ड प्रदर्शन किया है. अमरावती सहित 29 महापालिकाओं में भी भाजपा को बेहतरीन प्रदर्शन का जहां विश्वास है, वहीं दूसरी ओर महायुति के सहयोगी शिंदे शिवसेना गुट तथा राकांपा अजीत पवार ने भी नगराध्यक्ष चुनाव में शानदार सफलता हासिल की. यह महायुति के लिए जहां महानगर पालिका तथा जिला परिषद चुनाव के लिए बेहतरीन संकेत कहा जा सकता है, वहीं दूसरी ओर महानगर पालिका चुनावों को लेकर भाजपा तथा सहयोगी दलों में अपार उत्साह है.

राज्य की 288 नगर परिषदों तथा नगर पंचायतों में नगराध्यक्ष के चुनाव में शरद पवार राकांपा तथा उद्धव ठाकरे की शिवसेना को झटका लगा है. यह दोनों दो आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायी. राकांपा शरद पवार के सात नगराध्यक्ष तथा शिवसेना उबाठा के 9 नगराध्यक्ष चुने गए.

अमरावती में कांग्रेस सुधरी

जिले की दस नगर परिषदों और दो नगर पंचायतों में हुए चुनाव में सांसद बलवंत वानखडे, जिलाध्यक्ष बबलू देशमुख के नेतृत्व में कांग्रेस की स्थिति सुधरी है. नगराध्यक्ष के साथ ही पार्टी के 86 नगर सेवक चुनकर आए हैं. जबकि भाजपा के सर्वाधिक 95 नगर सेवकों के साथ ही धामणगांव रेलवे, वरूड़, शेंदुरजनाघाट, अचलपुर में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है. यह मनपा चुनाव के लिए शुभ संकेत हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
सुभाषचंद्र जे. दुबे
त्वरित टिप्पणी
9423426199

नगराध्यक्ष की स्थिति

भाजपा	117
शिवसेना शिंदे	53
राकांपा अजीत	37
कांग्रेस	28
राकांपा शरद पवार	07
शिवसेना उबाठा	09
अन्य	37
कुल	288

ज़ंगल सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार को फटकारा

विदर्भ स्वाभिमान, 24 दिसंबर
नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट जंगलों की सुरक्षा के मामले में अत्याधिक गंभीर है.समय-समय पर अदालत द्वारा स्वयं भी इस तरह के मामले में संज्ञान लेते हुए समुचित कदम उठाया गया है. उत्तराखंड सरकार के मामले में वन भूमि पर कब्जे से सुप्रीम कोर्ट नाराज है और स्वयं ही संज्ञान लेते हुए कहा कि यहां पर जंगल लूटता रहा और सरकार ने लापरवाही का परिचय देते हुए देखती रही. उत्तराखंड में वन भूमि पर हो रहे कब्जों को लेकर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है. कोर्ट ने कहा कि आंखों के सामने वन भूमि हड़पी जा रही थी, लेकिन सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक बने बैठे रहे. अदालत ने इस मामले में खुद संज्ञान लेते हुए (सुओ मोटो) सुनवाई शुरू की है. कोर्ट ने आदेश दिया कि वन भूमि पर किसी भी तरह का निर्माण तुरंत रोका जाए. साथ ही स्पष्ट किया कि निजी लोग जंगल की जमीन पर किसी भी तरह का तीसरे पक्ष का अधिकार नहीं बना सकेंगे. सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव और प्रमुख वन संरक्षण सचिव को निर्देश दिया कि वे तुरंत एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित कर जांच कराएं और रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि जहां आवासीय मकान नहीं हैं, वहां सभी खाली वन भूमि को वन विभाग तुरंत अपने कब्जे में ले. अदालत ने कहा, अब इसकी सुनवाई शीतकालीन अवकाश के बाद होगी. तब तक जमीन पर किसी भी तरह की गतिविधि पर भी अदालत ने रोक लगा दी है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

संस्कारित महिलाओं से ही घर स्वर्ग और कुसंस्कारियों से घर नरक बनता है. मां और सास में भेद नहीं करने वाली लक्ष्मी जिस घर में आती है, वह घर स्वर्ग बन जाता है. लेकिन इसमें भेद करने तथा स्वयं को बड़ा बताने वाली बहू घर के लिए नरक से कम नहीं होती है. दुर्भाग्य की आज बड़ा बनने के चक्कर में संस्कारों का पतन ही अधिकांश परिवारों के दुःख का कारण बन गया है. चिंतन करें.

रेल किराए में प्रतिकिलोमीटर 1 से 2 पैसे की बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली–रेलवे मंत्रालय ने रविवार को यात्री किराए में मामूली वृद्धि की है. प्रति किलोमीटर एक से दो पैसे तक की वृद्धि की गई है. 26 दिसंबर से नागपुर से दिल्ली के एसी किराये में 21 रूपए की वृद्धि होगी. पिछले पांच साल में तीसरी बार रेलवे ने दरों में वृद्धि की है. सामान्य के साथ ही एसी की टिकट में मामूली वृद्धि की गई है. यानी यदि एसी-3 का टिकट अभी 1500 रु. का है तो वो 1522 रु. का हो जाएगा- हालांकि उपनगरीय सेवाओं और मासिक सीजन टिकट (एमएसटी) धारकों के किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है यानी रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को राहत दी गई है.यह बढ़ोतरी ऑपरेशनल खर्चों को संतुलित करने के लिए की गई है, लेकिन इसका असर यात्रियों पर कम से कम रखने की कोशिश की गई है.किराया बढ़ोतरी से इतर इंडियन रेलवे ने क्रिसमस और नए साल के दौरान आठ जोन में 244 अतिरिक्त टिप के साथ सोशल ट्रेनें चलाने की कोशिश होगी.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

महानगर में कानून का राज स्थापित कराने का प्रयास

अमरावती शहर अपराध जगत में जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, वह चौकाने वाला है. कानून का डर खत्म हो गया है. नाबालिगों की गैंग, गुटखा का व्यापार, नशीली दवाओं के साथ ही वरली मटका जिस तरह से तेजी से बढ़ रहा है, वह हैरत वाला विषय है. आज शहर के सांसद, विधायक,नेता खामोश हैं. यह सच सभी जानते हैं कि अपराधियों को किसका वरदहस्त प्राप्त है. महानगर पालिका चुनाव में अपराधियों को साथ रखने वालों को सबक सिखाने की जरूरत आन पड़ी है. पहले जिन लोगों केलिए राजनीति प्रतिबंधित थी, आज घटिया राजनीति में ऐसे लोगों को महिमामंडित क्यों किया जा रहा है, लोगों को इस पर चिंतन करना जरूरी हो गया है. लोगों को चाहिए कि सब कुछ दूसरे पर धकेलने की बजाय वह स्वयं भी अच्छे लोगों का साथ दें और अच्छे लोगों को प्रोत्साहित करें. नगर पालिका चुनाव में जिस तरह से मतदाताओं ने फैसला दिया, उसकी सराहना की जानी चाहिए, उसी तरह की अपेक्षा आगामी चुनाव में है.

महानगर में कानून व्यवस्था कई महीनों से खराब चल रही है. कानून का डर खत्म हो गया है. पुलिस भी कई मामले में मजबूर बनी थी लेकिन अब जिस तरह से नए पुलिस आयुक्त ने पहल की है, उससे आगामी दिनों में निश्चित तौर पर बेहतरीन नतीजों की अपेक्षा करना गलत नहीं है. नाबालिगों द्वारा हत्याओं में जिस तरह की सहभागिता सामने आ रही है और कानून जिस तरह से उनके मामले में लाचार है, उसके बाद शहरवासियों में चिंता थी. नए पुलिस आयुक्त ने जिस तरह से शहर में अपराधियों में खौफ पैदा करने का संकेत दिया और राजापेठ पुलिस थाने तथा नांदगांव पेठ थाने में पहुंचकर लॉकप के आरोपियों को जिस तरह से कानून का डंडा कैसा होता है, यह समझाने का प्रयास किया, मन्या हत्याकांड के बाद उत्पातियों द्वारा की गई तोड़फोड़ तथा अन्य नुकसान को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की सरेआम परेड करवाई, यह इस बात का उदाहरण कहा जा सकता है कि पुलिस का प्रयास अपराधियों में खौफ पैदा करना है. पूर्व पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के बाद अपराधियों में खौफ पैदा करने का इस तरह का प्रयास पहली बार होने से शहरवासियों में शहर की शांति और व्यवस्था को लेकर उम्मीदें जगी हैं.अमितेश कुमार के समय जो शहर पुलिस थी, वही पुलिस आज भी है लेकिन बीच के कार्यकाल के दौरान जिस तरह से हर महीने अमरावती शहर में हत्याएं, हत्या का प्रयास, एमडी नशीली वस्तु, प्रतिबंध के बाद भी लाखों -करोड़ों का गुटखा विक्री सहित अनेक अवैध धंधे जिस तरह से फले-फूले, उससे शहरवासी स्वयं को असुरक्षित मानने लगे थे. सीपी की दबंगई इस बात का सबूत कही जा सकती है कि उनमें शहरवासियों की सुरक्षा को लेकर जहां अत्याधिक संवेदनशीलता है, वहीं कानून के दुश्मनों को लेकर जबर्दस्त क्रोध भी है. बेहतरीन काम करने के लिए यह दोनों ही बातें अत्याधिक जरूरी होती है. उन्होंने बातचीत में यही संकेत दिया कि जो कायदे में रहेगा, वही फायदे में रहेगा.उम्मीद की जानी चाहिए कि नए पुलिस आयुक्त शहर के लिए लकी साबित होंगे.

प्रकाश मारोटकर,निलेश विश्वकर्मा यू आर ग्रेट

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

नगर पालिका चुनाव में निष्ठावानों, ईमानदारों को जिस तरह से मतदाताओं ने साथ दिया, उससे यह कहना गलत नहीं होगा कि अब जाति,धर्म की बजाय लोग अच्छे लोगों को पसंद कर रहे हैं. चांदूर रेलवे में निलेश विश्वकर्मा की बात हो अथवा नांदगांव खंडेश्वर में दबंग प्रकाश मारोटकर की बात हो, भाजपा को कड़ी टक्कर देने में कांग्रेस की बात हो और कई दलों को लोगों द्वारा झटका देने की बात हो, यह इस बात का सबूत है कि लोगों को अब बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता है. अमरावती में दस नगर पालिकाओं, दो नगर पंचायतों के नतीजे तो यही साबित करते हैं. जिले में राजनीति में जब अच्छे लोग आएंगे तो निश्चित तौर पर स्थानीय सरकार से लेकर शहर का भाग्य निश्चित ही सुधरेगा.

नगर परिषद में युवाओं को जहां मौका दिया, वहीं पार्टी की बजाय लोगों ने उम्मीदवारों के व्यक्तिगत कामों को भी ध्यान में रखा है. नांदगांव खंडेश्वर नगर पंचायत के नगराध्यक्ष पद पर प्राप्ती मारोटकर की जीत इसका सबूत कही जा सकती है. इसी तरह भाजपा के 6 नगराध्यक्षों के साथ ही भाजपा विधायकों ने अपने क्षेत्र में पार्टी की जीत सुनिश्चित की, वहीं दूसरी ओर मोर्शी में शिवसेना शिंदे गुट की नगराध्यक्षा का चयन मतदाताओं के बदलते विचारों का प्रतीक है.

जिले में 10 नगर परिषदों और 2 नगर पंचायतों के चुनाव परिणाम रविवार को घोषित हुए. नगराध्यक्ष पद के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के 6 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है. कांग्रेस के 2 उम्मीदवार विजयी हुए हैं, जबकि दोनों शिवसेना गुटों, प्रहार संगठन और वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रत्याशियों ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की है.

भाजपा की ओर से अचलपुर नगर परिषद में रूपाली माथने, अंजनगांव सुर्जी नगर परिषद में अविनाश गायगोले, धारणी नगर पंचायत में सुनील चौथमल, धामणगांव नगर परिषद में अर्चना रोठे अडसड, वरुड नगर परिषद में ईश्वर सलामे तथा शेंदुरजना घाट नगर परिषद में सुवर्णा वरखडे नगराध्यक्ष पद पर विजयी हुई हैं. कांग्रेस की ओर से दर्यापुर नगर परिषद में मंदाकिनी भारसाकले और चिखलदरा नगर परिषद में शेख अब्दुल ने जीत हासिल की है. चांदूर रेलवे नगर परिषद में वंचित बहुजन आघाड़ी की प्रियंका विश्वकर्मा, चांदूर बाजार नगर परिषद में प्रहार संगठन की मनीषा नांगलिया विजयी रहीं.

वहीं, मोर्शी नगर परिषद में शिवसेना (शिंदे गुट) की प्रतीक्षा गुल्हाने तथा नांदगांव खंडेश्वर नगर पंचायत में शिवसेना (ठाकरे गुट) की प्राप्ती मारोडकर नगराध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुई हैं.चांदूर रेलवे में एड. निलेश विश्वकर्मा की तपस्या जहां फलित हुई वहीं दूसरी ओर मतदाताओं ने इस बार चुनाव में सक्षम और समर्पित भाव से काम करने वाले उम्मीदवारों को ही अपना प्रतिनिधि बनाकर सभी दलों को कड़ा संदेश दिया है कि जुमलेबाजी के दिन गए. अब जो काम करेगा, मतदाता उसे ही मौका देंगे.

नांदगांव खंडेश्वर में शिवसेना उबाठा के प्रकाश मारोटकर निष्ठावान, जनसेवा में समर्पित तथा जनता को सर्वो च्च मानने वाले युवा नेता हैं. सत्ता के लिए नहीं बल्कि सदा जनसेवा के लिए काम किया और नगराध्यक्ष के रूप में प्राप्ती विलास मारोटकर की जीत ने इस बात को साबित किया कि लोग आज भी अच्छे लोगों के साथ सदा खड़ा रहते हैं. यही स्थिति चांदूर रेलवे के युवा नेता एड. निलेश विश्वकर्मा की, धारणी के सुनील चौथमल तथा चिखलदरा में शेख अब्दुल सलाम की है. ऐसे लोग ही घटिया राजनीति के दौर में किसी नायक के रूप में आते हैं. ऐसे लोगों के राजनीति में सफल होने को उदाहरण माना जाना चाहिए.प्रकाश मारोटकर तुस्सी ग्रेट हो भाई.....

बेटियों के संसार में जहर घोलने वाली माताएँ...

आज रिश्ते दम तोड रहे हैं, जो माता संस्कार देनी चाहिए, कई माताएं अपनी बेटियों का संसार किस तरह ध्वस्त कर रही हैं, यह कहानी इसी पर आधारित है. बेटियों का संसार उनके भरोसे छोड़ें, उसमें दखलंदाजी नहीं करेंगे तो जीवन जीना दोनों सीख जाएंगे. लेकिन माताओं की बढ़ती दखलंदाजी बेटियों के जीवन को नर्क कर रही है. जागरूकता के लिए यह प्रस्तुत किया जा रहा है.

शादी को अभी छह महीने ही हुए थे. दिवाली पर पति ने पत्नी को साड़ी खरीदने के लिए 3,000 रुपये दिए, लेकिन पत्नी को 10,000 रुपये की ही साड़ी चाहिए थी. पति ने समझाया अगली बार दस हजार की साड़ी ले लेंगे, अभी पैसे कम हैं. इतने पैसों में भी अच्छी साड़ी मिल जाएगी.लेकिन पत्नी अड़ गई. उसने अपनी माँ को फोन किया और कहा मुझे दस हजार की साड़ी चाहिए, लेकिन पति ने सिर्फ तीन हजार ही दिए हैं.

माँ ने कहा फोन दामाद को दो,जैसे ही फोन दामाद को दिया गया, सास ने उसे डाँटते हुए कहा तुम्हारी हैसियत नहीं है मेरी बेटी को दस हजार की साड़ी दिलाने की! बेचारे दामाद ने समझाने की कोशिश की, लेकिन कौन सुनने वाला था. फोन कट गया और माँ ने अपनी लाड़ली बेटी के खाते में दस हजार रुपये भेज दिए.धीरे-धीरे ऐसे ही छोटे-छोटे विवाद बड़े झगड़ों में बदलते गए और बात कोर्ट तक पहुँच गई, जो आज भी चल रही है. यह एक सच्ची घटना है, जहाँ एक माँ के गलत समर्थन के कारण उसकी अपनी बेटी ससुराल से हमेशा के लिए मायके आ गई.

माँ को बेटी का कितना साथ देना चाहिए? या बेटी के वैवाहिक जीवन में माँ को क्यों हस्तक्षेप करना चाहिए? अगर बेटी से इतना ही लगाव और प्रेम था, तो सास के इशारों पर नाचने वाला कोई घरजँवाई ढूँढ लेना चाहिए था.27 28 साल पहले जिन महिलाओं की शादियाँ हुई थीं, जिन्हें मुँह खोलने की भी आज़ादी नहीं थी, आज वही अपनी बेटी के घर-गृहस्थी में नाक-भौंह घुसाती दिखाई देती हैं. माँ अपनी ही बेटी के संसार को बर्बाद करती नज़र आती है. ऐसी महिलाओं को अपना अतीत याद करना चाहिए हमारे समय में कैसे दिन थे, जब सास-ससुर, देवर-ननद के सामने बोलने की हिम्मत तक नहीं होती थी. और आज समय बदल गया है, तो अपनी ही बेटी के संसार क़ा सत्यानाश करने की माताओं की बढ़ती प्रवृत्ति खतरनाक है.

शेष पेज 5 पर

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

राजनीति को मानता हूं सेवा का मजबूत

साक्षात्कार में राजा बागडे का प्रतिपादन, पिछले चुनाव में किया था बेहतरीन प्रदर्शन

विदर्भ स्वाभिमान,24 दिसंबर

अमरावती-जीवन में राजनीति को कमाई नहीं बल्कि जनता की सेवा का बेहतरीन माध्यम मानता हूं और नगर सेवक चुनाव में जिस तरह से लोगों का प्रतिसाद मिल रहा है, उसके चलते मैं अपनी जीत को लेकर आशान्वित हूं. इस आशय का प्रतिपादन यवा स्वाभिमान पार्टी के युवा नेता राजा बागडे ने किया. पिछले चुनाव में जीत से चंद कदमों की दूरी पर रहने वाले राजा बागडे ने चुनावी नतीजों के बाद भी बिना हिम्मत हारे प्रभाग के विकास के साथ ही जनसमस्याओं के निराकरण तथा लोगों से संपर्क बनाए रखा, उनके मुताबिक लोगों का प्यार उनके लिए सबसे बड़ी जीत है.

सेवाभावी आदर्श युवा नेता के रूप में उन्होंने राजनीति या सामाजिक जीवन को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना है. उसका मूल मंत्र होता है जनसेवा ही सच्ची राजनीति में विश्वास रखते हैं.विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सकारात्मक बातों पर विश्वास रखते हैं. किसी की आलोचना के बजाय प्रभाग को कैसे विकास में सभी से हटकर किया जा सकता है, इसी बात को वे महत्व देते हैं. विधायक रवि राणा, युवा स्वाभिमान के मार्गदर्शक सुनील राणा के सामाजिक कामों का जिक्र करते हुए राजा बागडे ने कहा कि बचपन से ही माता-पिता की सेवा और उनके विचारों से सामाजिक सेवा को महत्व दिया. पिछले 20 वर्षों से सामाजिक, रक्तदान के साथ ही विकास कामों के लिए प्रयासरत रहते हैं.

वह ऐसे युवा नेता हैं, जो समाज की समस्याओं को केवल सुनता नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए ज़मीन पर उतरकर कार्य करते हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसान, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों पर वह सतत सक्रिय रहते हैं. प्रभाग के विकास के साथ ही युवाओं की बेहतरीन टीम उनकी खूबी है. मुसीबत के समय सबसे पहले पहुँचने वाला, और सामान्य दिनों में भी जनहित के छोटे-छोटे कार्यों में जुटा रहने वाला यही उसकी पहचान होती है.सेवाभावी युवा नेता के रूप में ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता का प्रमुख गुण होते हैं. वह जाति, धर्म या वर्ग से ऊपर उठकर सभी को साथ लेकर चलते हैं. यही कारण है कि वे सदा लोगों के काम के लिए अपनी ओर से प्रयास करते हैं. मनपा चुनाव में लोगों से अधिकाधिक मतदान करने तथा सही सोच और विकास के विजन को महत्व देने का आग्रह किया. आधुनिक सोच के साथ पारंपरिक मूल्यों का संतलन बनाए रखने पर जोर देते हैं. समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ ही प्रभाग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास करने का विश्वास उन्होंने दिलाया है. युवाओं को रोजगार, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा प्रशिक्षण देने पर जोर देने की बात कही.

प्रभागवासियों की सेवा सदा करने की बात कही. अभी तक किए गए सामाजिक कामों से मिले संतोष का जिक्र करते हुए राजा बागडे ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा वे मानते हैं. जीवन में माता-पिता को अपना आदर्श मानने के साथ वे कहते हैं कि अच्छी सोच के लिए किया गया कोई भी काम बेकार नहीं जाता है. यही कारण है कि उन्हें लोगों का प्रेम और सहयोग सदा मिला है. वे कहते हैं कि लोगों का यही विश्वास उन्हें सदा कुछ नया करने की प्रेरणा देता है.

सेवा,विकास का विजन रखते हैं साईनगर के सचिन भेंडे

समाज के हर वर्ग का विश्वास जीतने में रहे हैं सफल

विदर्भ स्वाभिमान,24 दिसंबर

अमरावती- मेरे जीवन में सेवा, विकास तथा मानवता के लिए सदैव योगदान देने का आदर्श संस्कार मुझे घर से ही मिला है. यही कारण है कि साईनगर क्षेत्रवासी नगर सेवक नहीं रहने के बाद भी हक से अपनी सारी समस्याएं बताते हैं और मैं भी सदा इसका निराकरण करने का प्रयास करता हूं. जीवन में लोगों का अपार प्रेम, प्रभाग की महिलाओं का विश्वास और लोगों से मिल रहा सहयोग मेरे लिए सबसे बड़ी कामयाबी है. प्रभाग के लिए पिछले पंद्रह वर्षों से लगातार विकास का प्रयास जारी है और सदा जारी रहेगा. लोगों का प्रेम सदा मिलता रहा है. नगर सेवक नहीं रहने के ब ाद भी सचिन भें डे को लोग पार्षद से भी बढ़कर सम्मान देते हैं. इसी को वे अपनी सबसे बड़ी कमाई मानते हैं.

युवा नेता के साथ ही विधायक रवि राणा और पूर्व सांसद नवनीत राणा के अत्याधिक करीबी और विश्वासपात्र के रूप में सचिन भें डे को पहचाना जाता है. राजनीति को कमाई नहीं बल्कि जनता की सेवा का बेहतरीन माध्यम मानता हूं और लोगों का यही प्रेम मुझे साईनगर प्रभाग के विकास की प्रेरणा देता है.

उनके मुताबिक पिछले कई वर्षों से विकास ही नहीं युवाओं को रोजगार देने, महिलाओं की आर्थिक मदद के साथ ही प्रभाग के गरीब बच्चों की मदद, धार्मिक आयोजनों में सहयोग के साथ ही दुर्गोत्सव, गणेशोत्सव के साथ ही सर्वधर्म समभाव के सिद्धांत पर चलते हुए काम करते हैं. वे कहते हैं कि सदा अच्छी सोच के साथ किया गया काम सफलता देता है. लोगों के प्रेम और विश्वास को जीवन में कभी नहीं टूटने देने की बात भी सचिन भेंडे ने कही. सचिन भेंडे पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जो साईनगर क्षेत्र के विकासार्थ समय पड़ने पर अपनी स्वयं की जेसीबी और लोगों को काम पर लगा देते हैं. कुछ महीने पहले सड़क पर बबूल बढ़ने से लोगों को तकलीफ थी, शिकायत के बाद भी काम नहीं होने पर अपने खर्च से जेसीबी लगाकर लोगों की इस समस्या का निराकरण किया. क्षेत्र के कई मंदिरों के सभागृह के साथ ही अन्य विकास कामों के लिए सदा प्रयास करते हैं.उनके इन कामों से लोगों में विश्वास पैदा हुआ है और उन्हें घर का सदस्य मानते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN/2010/43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम स्टायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

विष्णु देव और वृषभासर दोनों आकाश में महायुद्ध

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

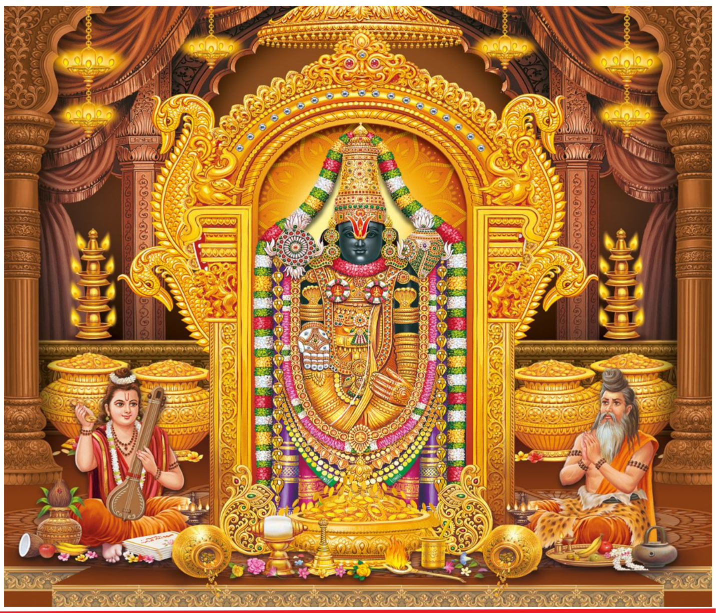

गतांक से जारी-इस प्रकार विष्णु देव और वृषभासुर दोनों आकाश में उड़कर, फिर धरती पर उतरकर सिंहों के रूप में युद्ध करने लगे. अत्यंत रोष और क्रोध के साथ एक-दूसरे से युद्ध करने लगे. गदा, कुंत, मुसल, मुद्गर, शूल, खिंडी आदि विविध आयुधों को एक दूसरे पर फेंकते दोनों ने घमासान युद्ध किया. उनके इस भीकर युद्ध से धरती कांपने लगी. दौड़ते, गिरते-उठते, थकते, बिजलियाँ गिराते, अट्टहास करते, हाहाकार करते. एक-दूसरे को ढकेलते, एक-दूसरे का परिहास करते, नखों से एक -दूसरे को घायल करते, चीखते-चिल्लाते लोक भीकर रूप में युद्ध करते रहे. अनेक गंड शूलों को एक दूसरे पर फेंका. गंड शूलों से धरती भर गयी. गंड शूलों के गिरने से बड़े-बड़े पत्थर भी टूट कर नष्ट हो गए. पहाड़ों पर दोनों उत्साह से उड़ते, लांघते युद्ध करने लगे. इस रूप में काफी समय तक उन दोनों ने युद्ध किया. अवसान के समय जैसे दीप अधिक प्रज्वलित होता है उसी रूप में वृषभासुर अति बल से प्रचंड होकर नृसिंह को अतिशय ढंग से निगलने के लिए तैयार हो गया. आकाश में देवतागण नरहरि की विजय की कामना कर रहे थे. तब वे महापुरुष उत्साह के साथ अपने शरीर को बढ़ा कर हांफते तुरंत गरूड वाहन पर चढ़कर अपने सहस्र करों में सहस्र आयुध धारण करके राक्षस गिरकर उसे पकडने की कोशिश की. तब राक्षस ने उनकी पक न आकर यहाँ-वहाँ भागते. अखंडादि, निर्जर, भ्रांतिमान अपने माय से खग वाहन पर बैठ कर, सहस्र भूज और सहस्र आयुध धारण कृत्रिम विष्णु बनाकर उसे नारसिंह पर छोड़ा. तब माया विष्णु नरसिंह के बीच में युद्ध हुआ. तुरंत नारसिंह ने कृत्रिम विष्णु रू पहचान लिया. उसे राक्षस माया समझ कर अपनी माया शक्ति बढ़ाया. राक्षस निर्मित माया विष्णु को चक्री ने अदृश्य कर दिया हँसते हुए इस रूप में कहा. 'हे चपल राक्षस! तुझे स्वयं सृजन युद्ध करने की जरूरत से तुझ से युद्ध किया. मुझसे युद्ध करने में बल ही क्या है? मुझे लेकर जप करने के कारण तुझ पर दया अब तक नहीं मारा. अब मैं सहन नहीं कर सकता. क्योंकि तुमने विष्णु को सृजन करके मुझ पर छोड़ा. उसके बारे में मुझे पता चल तुम अब कहाँ छिपोगे? देखो! मेरे साहस को देखो. सकल शत्रु मेरे चक्र की अग्नि में तुम्हारा शीर्ष कटकर जल जायेगा. ऐसा नहीं तो मैं धरती पर नारसिंह नहीं कहलाऊँगा.'कहते प्रतिज्ञा करके चक्र को धारण करनेवाले नारसिंह को देखकर वृषभासुर ने परिशुद्ध होकर भक्ति से नारसिंह के पाद युगल पर गिर कर शरणागति ली. आगे इस रूप में कहा. 'हे देव! आपके चक्र के प्रभाव के बारे में बताना ब्रह्मादि देवताओं के लिए भी संभव नहीं है. कीर्तिमान अंबरीषादि प्रमुखों को इसी चक्र ने विजय प्रदान की. उससे अलग माना जाता है कि आपके चक्र से मरने से पुनर्जन्म नहीं होता है. इसलिए ऐसे शक्तिवान चक्र से कट कर मुक्ति को प्राप्त करूँगा.

कृपया इस पर्वत को मेरा नाम रख दीजिए.' यह सुनकर स्वामी प्रसन्न होकर उसकी प्रशंसा करते हुए उसे आलिंगन बद्ध किया. उसे मोक्ष भी प्रदान किया. यह का भी दिया कि कृत युग में यह पर्वत वृषामाद्रि के रूप में प्रचलित होगा. तब उस स्वामी के सिर पर देवताओं ने आकाश से फूलों की वर्षा की. देवतागण उन्हें नमन करके अपने निजी स्थल लौट गए. तदुपरांत राक्षस के भय से गुफा में रहनेवाले मुनिगण बाहर आकर श्रीहरि की स्तुति करने पर 'आप अब निर्भय होकर यहाँ पर रह सकते हैं.' ऐसी आज्ञा देकर बराह स्वामी अदृश्य हो गए. वे भूदेवी समेत इच्छा विहार करने लगे. ऐसा बतानेवाले शतानंद को देखकर जनक ने इस स्वरूप में कहा. जब भी धर्म की हानि धरती पर होती है भारत भूमि ही ऐसी पवित्र भूमि है जहां प्रभु अवतरित होते हैं. राक्षसों का अंत कर धर्म की स्थापना करते हैं प्रभु सभी पर कृपा करें. सभी का जीवन मंगलमय करें प्रभु. आपके चरणों में यही कामना. **ज़य गोविंदा**

शेष अगले अंक में

ग्रामपंचायत कार्यालय झाडगाव
तालुका धामणगाव रेल्वे,जिल्हा अमरावती

निविदा सूचना क्र. ०१ दिनांक २१/११/२०२५

ग्रामपंचायत झाडगाव,तालुका धामणगाव रेल्वे,जिल्हा अमरावती यांचे मार्फत जन सुविधा निधी यंत्रणे अंतर्गत खालील कामाची मोहरबंद निविदा ब-१ टक्केवारी प्रपत्रामध्ये जि.प.बांधकाम विभाग याच वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागविण्यात येत आहे. कोऱ्या निविदा ग्रामपंचायत कार्यालय झाडगाव,तालुका धामणगाव रेल्वे,जिल्हा अमरावती यांच्याकडून देण्यात येतील.

अ. क्र.	कामाचे नाव	लेखा शिर्षक	अंदाजित किंमत रूपये लाख	बयाणा रक्कम (१%)	कामाची मुदत महिने	निविदा प्रसिद्धीची वेळ	कोऱ्या निविदेची किंमत	कोऱ्या निविदा देण्याची व स्वीकृतीची तारीख व वेळ	निविदा उघडण्याची तारीख व वेळ
१	झाडगाव येथे स्मशानभूमी मध्ये पेव्हर बसवणे आणि बैठक व्यवस्था करणे	जनसुविधा निधी योजना	५०००००/-	५०००/-	६ महिने	प्रथम	१००/-	२१/१२/२०२५ ते २७/१२/२०२५	२८/१२/२०२५ दुपारी १ वाजता

टीप - १) निविदेच्या अटी व शर्ती ग्रामपंचायत कार्यालय झाडगाव,तालुका धामणगाव रेल्वे,जिल्हा अमरावती यांचे कार्यालयीनी वेळेत पाहावयास मिळतील.

२) निविदा या दोन लिफाफा पद्धतीने सादर करावयाच्या आहेत.

३) निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार प्रशासक/सचिव यांनी राखून ठेवलेले आहेत.

प्रशासक / सचिव
ग्रामपंचायत झाडगाव
ता. धामणगाव रेल्वे,जि.अमरावती

मांगीलाल प्लॉट में 28 से श्रीमद् भागवत कथा,कलश यात्रा निकलेगी

मिश्रा (भौरहा) परिवार के मुख्य यजमानत्व में उपक्रम,3 जनवरी तक चलेगी कथा, श्यामजी महाराज सुनाएंगे कथा

विदर्भ स्वाभिमान, 24 दिसंबर

अमरावती- श्री सरयूपारिण ब्रह्मण सभा, शिक्षक वेलफेयर एसो. व श्री गणेशोत्सव महिला मंडल (टोपे नगर) के संयुक्त तत्वाधान में मांगीलाल प्लॉट निवासी मिश्रा (भौरहा) परिवार के मुख्य यजमानत्व के तहत आगामी 28 दिसंबर से 3 जनवरी तक मांगीलाल प्लॉट में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें रोजाना दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक वृंदावन निवासी कथा वाचक श्री श्यामजी महाराज द्वारा भाविक श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत की कथा का श्रवण कराया जाएगा. इस आयोजन का प्रारंभ 28 दिसंबर को दोपहर 1 बजे आयोजित भव्य मंगल कलश यात्रा से होगा. जिसमें बडी संख्या में युवतियां व महिलाएं मंगल कलश धारण कर सहभागी होंगी. जिसके लिए अभी से ही तैयारियां करनी शुरु कर दी गई है. वहीं 28 दिसंबर से 2 जनवरी तक रोजाना दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक

श्रीमद् भागवत कथा प्रवाहित होगी. वहीं 3 जनवरी को दोपहर 3 बजे हवन करते हुए श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ की पूर्णाहुति करने के साथ ही शाम 6 बजे महाप्रसाद का आयोजन होगा.

मांगीलाल प्लॉट निवासी मिश्रा (भौरहा) परिवार के त्रियुगीनारायण मिश्रा, जगदंबाप्रसाद मिश्रा, माताफेर मिश्रा, रामकैलास मिश्रा, हरिहरनाथ मिश्रा, शारदाप्रसाद मिश्रा, द्वारकाप्रसाद मिश्रा व सुभाष मिश्रा के मुख्य यजमानत्व में आयोजित होने जा रहे संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के आयोजन हेतु विशेष मार्गदर्शक के तौर पर यश संजय खोडके मित्र परिवार एवं विशेष सलाहकार के तौर पर दिनेश बूब मित्र परिवार की ओर से सहयोग प्राप्त हो रहा है. साथ ही इस आयोजन में दैनिक व उत्सव यजमान के तौर पर एड. दीपक श्रीमाली, डॉ. सतीश तिवारी, आनंद मिश्रा, रूपेश तिवारी, डॉ. मनीष दुबे, राजेंद्र पांडे, एड. आशीष तिवारी, वीरेंद्र तिवारी, कृष्णदेव तिवारी, शारदाप्रसाद उर्फ शाकाल तिवारी, देवराज तिवारी, राकेश मिश्रा, अवधेश मिश्रा, अनिल मिश्रा, सूरज मिश्रा, प्रकाश तिवारी, राजेंद्रप्रसाद मिश्रा, श्रीप्रकाश तिवारी, प्रमोद उर्फ पप्पू मिश्रा, अजय सिनखले, शिवकरण यादव, श्री कठोडे, सुधा तिवारी, शीला तिवारी, डॉ. उषा तिवारी, मंगला शुक्ला, शर्मिला मिश्रा, सारिका मिश्रा, कें. पी. चव्हाण, अशोक सिंह, अशोक पाठक, दुर्गाप्रसाद मिश्रा, श्यामनारायण मिश्रा, अरविंद तिवारी, रामजनम मिश्रा, गोपाल निशाद, बालमुकुंद दुबे, राजेंद्रप्रसाद मिश्रा, एड. राजेश मिश्रा, रामेश्वरप्रसाद मिश्रा, आदित्य पाण्डेय, रामप्रसाद मिश्रा, शैलेंद्र मिश्रा, युवराज चौधरी, राजेश अग्रवाल, विलास मराठे, मोहन आहुजा, नरेश आहुजा, राजेश जैन, हरिश मालाणी, देवानंद मिश्रा, राजेश मुराई, सतीश मोदानी, सौरभ केचे, नंदकुमार अग्रवाल, दीपक राठी, संतोष बिजोरे, ओमप्रकाश त्रिपाठी, जयप्रकाश त्रिपाठी, श्रीप्रकाश त्रिपाठी, संदीप त्रिपाठी, संतोष यादव, अशोक तिवारी, अयोध्याप्रसाद मिश्रा, गणेश मिश्रा, अमृता देशमुख, अर्चना ठाकुर, एड. अंजली मिश्रा, सपना पनपालिया, ज्योति जाजू, माधुरी मेडसे, नीता मालधुरे, सीमा तायडे, योजना महल्ले, संध्या शिरभाते, सुशीला राठोड, श्वेता म्हात्रे, जयश्री देशमुख, लता जवंजाल, अनिता खेरडे, शकुंतला जाजू, रिया ठाकर, चंचल जाजू, प्रिया राठोड, स्वाती शिंपी, सरोज चांडक, रेखा अकर्ते, हंसा अग्रवाल, वर्षा खंडेलवाल, प्रिया बोंडे, प्रीति रोंघे व सुमन पोकले का समावेश है. जो 7 दिवसीय आयोजन में अपनी-अपनी सुविधानुसार सहपरिवार दैनिक पूजा में हिस्सा लेंगे.क्रथा की सफलतार्थ क्षेत्रवासियों द्वारा भी प्रयास किया जा रहा है.श्रद्धालुओं से दैनिक यजमान बनने हेतु अपने नामों का पंजीयन कराने का आवाहन किया है.साथ ही साथ सभी भाविक श्रद्धालुओं से स्थानीय मांगीलाल प्लॉट परिसर में आगामी 28 दिसंबर से 3 जनवरी तक चलनेवाले संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में हिस्सा लेने तथा श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने का आवाहन भी आयोजकों की ओर से किया गया है.

बेटियों का घर तोड़ने वाली सत्यानाशी माताएं...

विदर्भ स्वाभिमान

संस्कारित आदर्श पहल

माँ को बेटी का कितना साथ देना चाहिए? या बेटी के वैवाहिक जीवन में माँ को क्यों हस्तक्षेप करना चाहिए? अगर बेटी से इतना ही लगाव और प्रेम था, तो सास के इशारों पर नाचने वाला कोई घरजँवाई ढूँढ लेना चाहिए था.27 28 साल पहले जिन महिलाओं की शादियाँ हुई थीं, जिन्हें मुँह खोलने की भी आज़ादी नहीं थी, आज वही अपनी बेटी के घर-गृहस्थी में नाक-भौंह घुसाती दिखाई देती हैं. माँ अपनी ही बेटी के संसार को बर्बाद करती नज़र आती है. ऐसी महिलाओं को अपना अतीत याद करना चाहिए हमारे समय में कैसे दिन थे, जब सास-ससुर, देवर-ननद के सामने बोलने की हिम्मत तक नहीं होती थी. और आज समय बदल गया है, तो अपनी ही बेटी के संसार को उजाड़ने निकल पड़ी हैं.सच तो यह है कि आजकल की लड़कियों को भी ससुराल की हर बात मायके बताने की आदत लग गई है. जिस लड़की को अपने संसार की समझ होती है, वह ससुराल की बातें कभी मायके तक नहीं ले जाती. माँ का भी कर्तव्य है बेटी को समझाना, न कि उसके संसार में दखल देना.अगर बेटी से ज़्यादा माँ बोलने में आगे रहेगी, तो बेटी ससुराल में क्यों रहे?

ससुराल छोड़कर मायके में रहने में क्या बड़प्पन है?जो बेटी ससुराल में निभाती है, वही माँ-बाप को सबसे बड़ा सुख देती है.

आजकल हालात ऐसे दिखते हैं बेटी एक कदम आगे, तो माँ दो कदम आगे.आज जो बेटियाँ ससुराल छोड़कर मायके आ गई हैं, भले ही कल उनका दूसरा विवाह करवा दिया जाए, लेकिन याद रखिए जीवन भर पछतावा रहेगा, क्योंकि पहला पति पहला ही होता है. आज जो तीन हजार की साड़ी दिला रहा है, वही कल खुशी-खुशी बिना माँगे दस हजार की साड़ी भी दिलाएगा.

अगर बस इतना कहा जाए-थोड़ा

संयम रखो. लेकिन अगर दूसरा विवाह हुआ, तो ज़िंदगी भर एडजस्ट ही करना पड़ेगा.झगड़े कितने भी हों, लेकिन उनकी आवाज़ घर से बाहर नहीं जानी चाहिए.शब्दों की जंग को मायके के रणक्षेत्र में बिल्कुल मत ले जाओ.ससुराल की शिकायतें मायके की देहरी तक मत ले जाओ. संसार में कितने भी झगड़े हों, उन्हें सिर्फ़ पति-पत्नी के बीच ही रखो. अच्छे समय में इन बातों पर चर्चा करो. प्यार के माहौल में एक-दूसरे की गलतियाँ देखो, क्योंकि झगड़े में सिर्फ़ एक-दूसरे की गलतियाँ ही दिखती हैं, और इसलिए विवाद बढ़ता है. वही बातें प्यार से सुलझाई जा सकती हैं.अगर दोनों के बीच विवाद बढ़ रहा हो, तो कम से कम एक को तो संयम रखना ही चाहिए, समझदारी दिखानी चाहिए तभी संसार सुखी होगा. ये अनभव से निकली बातें हैं.

अगर बेटियाँ छोटी-छोटी बातें मायके न बताएं, तो बहुत से तलाक रुक सकते हैं. बहुत से घर बस सकते हैं हम वह पीढ़ी थे, जो गले में काले मनके और टूटा-सा मंगलसूत्र पहनकर भी संसार का आसमान-सा सुख भोग लेते थे. माथे के कुंकुम को देखकर पति की लंबी उम्र के लिए भगवान से प्रार्थना करने वाला वह समय था. दिन में दो वक्त पेट भर खाना मिल जाए, तो भी संतोष होता था.और आज बंगला, गाड़ी, अकूत संपत्ति होते हुए भी सुख और संतोष नहीं है.आज की लड़कियाँ उनकी अपेक्षाएँ खत्म ही नहीं होतीं नतीजा तलाक.बेटियों की माँओं से एक सवाल क्या आपके संसार में आपकी माँ-बाप ने कभी ऐसी दखलअंदाज़ी की थी? बिल्कुल नहीं.पहले कितना भी अत्याचार या मारपीट हो, फिर भी माता-पिता समझदारी से चार रिश्तेदारों को बुलाकर मामला सुलझा लेते थे. बेटी को मायके ले आना उनके लिए कभी विकल्प ही नहीं था. झगड़े के बाद बेटी अगर मायके आई भी, तो दो दिन में ससुराल छोड़ आते थे.बुरा लगेगा, लेकिन आज की स्त्री बदनाम होती जा रही है सास-ससुर पर हाथ उठाने वाली, पति को प्रताड़ित करने वाली, उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली, कानून का डर दिखाने वाली महिलाओं को सच में अब किसी बात का डर ही नहीं रहा है. मां वही ठीक कही जा सकती है कि पिता जब बच्चों को डाटे तो बीच में नहीं आए. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज पति बच्चों को डांटते समय सबसे पहले मां आती है और यही बच्चे अपना जीवन मां के कारण नर्क कर लेते हैं. आप तो ऐसी मां नहीं हैं. बेटियों को भी जीवन का अनुभव लेने दें. वे स्वयं स्थितियों से लड़ना और जीत सीख जाएंगी. धन,दौलत,सुविधा खुशी का माध्यम कभी नहीं हो सकता है. अगर प्रेम है, अपनापन है तो जीवन में हर कामयाबी हासिल की जा सकती है. माताओं को बेटियों के परिवार में शादी के बाद दखल नहीं देनी चाहिए. वर्ना रोने के सिवाय कोई रास्ता नहीं बचता है.

विदर्भ स्वाभिमान

वर्तमान में जीवन कठिन हो गया है. महंगाई से जहां गरीब परेशान हैं, वहीं अधिक से अधिक पैसे कमाने के चक्कर में अमीर बीमारियों की चपेट में आ रहा है. साधन है लेकिन समय नहीं है. न समय का ख्याल है और न जीवन में खुशियों का मायना ही लोगों की समझ में आ रहा है. इसके चलते लोग भागदौड़ करने के बाद भी जीवन में कभी सुकून से नहीं रहते हैं. पैसे कमाने के लिए जीवन की खुशियां बर्बाद कर रहा है और पैसा कमाने के बाद पूरा पैसा स्वास्थ्य पर खर्च हो रहा है. यानी जहां से निकले थे, वहीं आकर रूकने की नौबत आन पड़ी है. जीवन में समय का अत्याधिक महत्व होता है. निर्धारित समय पर भोजन करने से आधी बीमारी भाग जाती है. जनहित में कुछ बातें यहां दी जा रही हैं. आजमाने वाले को निश्चित ही लाभ हो सकता है.

1. जल्दी सोना और जल्दी उठना औषधि है.
2. सुबह ईश्वर का स्मरण औषधि है.
3. योग, प्राणायाम और व्यायाम औषधि हैं.
4. सुबह और शाम की सैर भी औषधि है.
5. उपवास सभी रोगों की औषधि है.
6. सूर्य का प्रकाश भी औषधि है.
7. घड़े का पानी पीना औषधि है.
8. ताली बजाना भी औषधि है.
9. अच्छी तरह चबाना औषधि है.
10. पानी पीना और ध्यानपूर्वक भोजन करना औषधि है.
11. भोजन के बाद वज्रासन में बैठना औषधि है.
12. प्रसन्न रहने का निर्णय लेना औषधि है.
13. कभी-कभी मौन रहना भी औषधि है.
14. हँसी-मजाक औषधि है.
15. संतोष औषधि है.
16. मन और शरीर की शांति औषधि है.
17. ईमानदारी और सकारात्मकता औषधि है.
18. निस्वार्थ प्रेम और भावनाएँ भी औषधि हैं.
19. दूसरों का भला करना औषधि है.
20. पुण्य देने वाला काम करना ही औषधि है.
21. दूसरों के साथ मिल-जुलकर रहना ही औषधि है.
22. खाना-पीना और परिवार के साथ समय बिताना ही औषधि है.
23. हर सच्चा और अच्छा दोस्त बिना पैसों के एक पूरा मेडिकल स्टोर है.
24. मस्त, व्यस्त, स्वस्थ और उत्साही रहना ही औषधि है.
25. हर नए दिन का पूरा आनंद लेना ही औषधि है.

ईमानदारी,समर्पण,सेवा भाव दिलाता है कामयाबी

सीईओ शिवाजी देठे का प्रतिपादन
काम के प्रति समर्पण दिलाता है जीवन में कामयाबी

विदर्भ स्वाभिमान, 24 दिसंबर

अमरावती- जीवन में जब हम कोई भी काम ईमानदारी, कर्मठता तथा पूरे समर्पण के साथ करते हैं तो निश्चित तौर पर सफलता मिलती है. जो भी जिम्मेदारी हमें मिली है, उसका निर्वहन हमें पूरे तन-मन से करना चाहिए. इससे जीवन में कभी दिक्कत नहीं आती है. समर्पित लोगों की टीम में असंभव को भी संभव करने की ताकत होती है. यह अनुभव की बात है. इस आशय का प्रतिपादन अभिनंदन अर्बन बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे ने किया. उनके मुताबिक जितना संभव हो अच्छे से अच्छे काम में स्वयं को व्यस्त रखें. जो व्यस्त है, वही मस्त रहता है. लेकिन खाली दिमाग गलत बातों को जन्म देता है.

बैंक की शानदार प्रगति में अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के साथ ही सभी समर्पित संचालकों की भूमिका का जिक्र कर कहा कि सभी के समर्पण से बैंक आज ऊंचाईयों पर है. हर व्यक्ति में गुण होते हैं, कोई भी काम छोटा नहीं होता है. हर काम को बेहतरीन ढंग से करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में अच्छे लोगों का साथ इसे संवारने का काम करता है. कोई भी काम को छोटा नहीं आंकना चाहिए, ऐसा सोचने वाला जीवन में कभी पीछे नहीं आ सकता है. क्राम के प्रति समर्पण और संघर्ष के साथ ही निश्चल भाव से पूरा मन लगाकर काम करने की तैयारी ही व्यक्ति को जीवन में कामयाबी प्रदान करती है. जीवन में जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाए, उसका अपने स्तर पर बेहतरीन तरीके से निर्वहन ही जीवन में कामयाबी देता है. जो व्यक्ति जीवन में काम को पूजा मानकर करता है, उसके जीवन में कभी चुनौती नहीं आती है. समर्पित होकर काम करने वाले व्यक्ति का इंतजार सदैव काम करता है. इसलिए जितना संभव हो सदैव समर्पित भाव से काम करने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन सहकारिता क्षेत्र की सुख्यात अभिनंदन सहकारी बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे ने किया. उनके मुताबिक अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन मंडल के अध्यक्ष सुदर्शन गांग सहित समस्त संचालक मंडल जहां ट्रस्टी की तरह बैंक में काम करता है, वहीं बैंक के कर्मियों में अपनेपन तथा समर्पण भाव ने बैंक को आसमानी कामयाबी प्रदान की है. बैंक की शाखाओं को आधुनिकीकरण के साथ ही यहां ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं देने का प्रयास किया जाता है. अभी तक दर्जनों पुरस्कार प्राप्त कर चुके शिवाजी देठे का कहना है कि जब हम अच्छा करते हैं तो निश्चित हमारे साथ सदैव अच्छा ही होता है.

कर्मचारी नहीं कर्मयोगी कहते हैं- बैंक अध्यक्ष तथा संचालक मंडल द्वारा बैंक कर्मचारियों को कर्मचारी नहीं बल्कि कर्मयोगी के रूप में संबोधित करना भी सभी के लिए गर्व की बात बताते हुए शिवाजी देठे ने कहा कि आज बैंक को कई दर्जन पुरस्कार मिल चुके हैं. लाभांश से लेकर बेहतरीन इंतजाम इसकी खूबी है.रिश्तों में ईमानदारी और विश्वास को बरकरार रखने का प्रयास करने से मजबूती ही मिलती है.मानवता की सेवा से बड़ी दूसरी सेवा नहीं हो सकती है. श्री गजानन महाराज के भक्त शिवाजी देठे अच्छे वक्ता भी हैं और संचालन भी बेहतरीन तरीके से करते हैं. उनके मुताबिक जीवन में जब भी नेक काम में सहभागी होने का मौका मिले तो निश्चित तौ पर प्रयास करना चाहिए. मानव जीवन बड़े भाग्य से मिला है, ऐसे में जितना संभव हो, अपने से कमजोर व्यक्ति तथा तबकों की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. सहकारिता क्षेत्र में विश्वसनीयता के साथ ही सदैव आगे बढ़ाने में योगदान देने वाले शिवाजी देठे का कहना है कि प्रयास अगर ईमानदारी से किया गया हो तो असफलता नहीं आ सकती है. इसके साथ ही सभी के साथ ही विकास तथा काम बेहतरीन तरीके से होते हैं. इसी संकल्पना पर बैंक का हर कर्मचारी काम करता है. संचालकों के कुशल मार्गदर्शन में अभिनंदन बैंक जनहित में समर्पित बैंक है.वे बताते हैं कि बैंक के अध्यक्ष का जहां सदैव मार्गदर्शन रहता है, वहीं कर्ज वसूली में कर्मचारियों के साथ ही संचालक मंडल का मार्गदर्शन तथा जरूरी सहयोग से बैंक प्रगति पर अग्रणी है.

सहकारिता क्षेत्र की शान अभिनंदन बैंक को राष्ट्रीय स्तर पर अनगिनत पुरस्कार सभी के प्रयासों का नतीजा है.उनके मुताबिक पद बड़ा नहीं होता है बल्कि जीवन में आदमी का काम करने का तरीका सदैव बड़ा होता है.इस पर यहां काम होता है.

गुरूवार 25 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक का भविष्य

मेष-कैरियर / आर्थिक स्थितिः इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्यः शुरुआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवारः रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाहः बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

वृषभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यारः घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाहः खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

मिथुन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः धन आगमन के योग हैं. कुछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्त जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यारः पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाहः किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

कर्क-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पुराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्यः मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाहः प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

सिंह-कैरियर / आर्थिक स्थितिः आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्यः काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यारः घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाहः अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

कन्या-कैरियर / आर्थिक स्थितिः भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में मधुरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाहः सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयुक्त है.

तुला-कैरियर / आर्थिक स्थितिः ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंतु जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्यः बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पुराने झगड़े सलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाहः वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होगा.

वृश्चिक-कैरियर / आर्थिक स्थितिः मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्यः मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान-मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाहः विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे रुख से दूरी बनाएं.

धनु-कैरियर / आर्थिक स्थितिः रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्यः हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यारः साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाहः अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

मकर-कैरियर / आर्थिक स्थितिः करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्यः नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यारः पुराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाहः जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण लाभदायी रहेगा.

कुंभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाहः कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

मीन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यारः परिवार और दोस्त-रिश्तों में सकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाहः दिल की सुनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

ज़य गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविंदा

श्री गणेशदास राठी छात्रालय समिति क़ा अमृत महोत्सव भी सेवाभावी

लाखों छात्रों का संस्था ने संवारा जीवन महारक्तदान सप्ताह का शुभारंभ हुआ

विदर्भ स्वाभिमान, 24 दिसंबर

अमरावती- स्थानीय श्री गणेशदास राठी छात्रालय समिति, अमरावती के 'अमृत महोत्सव' के अवसर पर रक्तदान सप्ताह में कम से कम 750 बॅग्स का रक्तदान करवाने का मानस के साथ, श्रीमती केशरबाई लाहोटी महाविद्यालय, अमरावती में महारक्तदान शिविर आज 201 रक्तदाताओ द्वारा दान करते हुये भव्य शुभारंभ हुआ। संस्था के सम्माननीय अध्यक्ष श्री वसंतकुमारजी मालपानी, संस्था के सचिव डॉ. गोविंदजी लाहोटी, संस्था के सम्माननीय पदाधिकारी श्री. ओमप्रकाशजी नावंदर तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.विजयकुमारजी भांगडिया, महारक्तदान शिबिर के समन्वयक डॉ. आभा लाहोटी, महेंद्र भुतडा इन्होंने 20 दिसंबर, 2025 को प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से अमरावती शहर के समस्त नागरिक , युवा , महाविद्यालय के विद्यार्थी प्राध्यापक इन सभी को रक्तदान सप्ताह मे रक्तदान करने का आवाहन किया था. उसी के तहत दिनांक 22 दिसंबर, 2025 से 28 दिसेंबर 2025 मे रक्तदान सप्ताह आयोजित किया जाना है.इसका शुभारंभ करते हुये, श्रीमती केशरबाई लाहोटी महाविद्यालय, अमरावती में सोमवार 22 दिसंबर 2025 को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक रक्तदान शिविर भव्य रूप में आयोजित किया गया। इसके अपार सफलता मिली और कुल 201 रक्तदाताओं ने बड़ी मात्रा में रक्तदान कर सहयोग दिया। इस भव्य रक्तदान महाशिविर का उद्घाटन डी. सी. पी. श्री. शामजी घुगे के करकमलो से हुवा। उद्घाटन समारोह में संस्था के सम्माननीय अध्यक्ष श्री वसंतकुमारजी मालपानी, संस्था के सचिव. डॉ गोविंदजी लाहोटी, संस्था के सहसचिव मोहनजी कलंत्री, संस्था के कोषाध्यक्ष प्रकाशजी हेड़ा, संस्था के कार्यकारिणी के सदस्य ओमप्रकाशजी नावंदर,ओमप्रकाशजी लड्ढा, डॉ.आभा लाहोटी, हरीशजी राठी,श्यामसुंदरजी दम्मानी, कमलकिशोरजी मालानी, सुनील जयसिंगपुरे, सुरेशजी जैन, तथा रेड रिबीन सोसायटी के प्रमुख अजय साखरे, एवम मो.इरफान काजी, महाराष्ट्र 8 बटालियन के रामेश्वर जाधव जैसे मान्यवर ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की गरिमा बढाई तथा रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया साथ ही जिन लोगों ने रक्तदान शिविर में सक्रिय योगदान दिया उन सभी युवा तथा नागरिककों को स्मृति चिन्ह तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया.

इस महा रक्तदान शिविर को शहर के सम्माननीय डीसीपी श्री. शामजी घुगेजी ने उद्घाटक के रूप में उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का अभिनंदन किया तथा रक्तदान के महत्व को समझाते कहा कि , रक्तदान जीवन बचाने का महा अभियान है और समिति के अध्यक्ष श्री वसंतकुमारजी मालपानी, पदाधिकारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य तथा प्राध्यापक सभी निरंतर ऐसे रचनात्मक शिविरों का आयोजन करते हैं, जिससे सैंकड़ो लोगों के प्राण बच सके, इससे बड़ा महान कोई कार्य नहीं हो सकता, ऐसा प्प्रतिपादन किया। इसके लिए, उन्होने संस्था का तथा महाविद्यालय का अभिनंदन किया.इस महारक्तदान शिविर के आयोजन का श्री. महेंद्रजी भूतडा एवं उनकी टीम ने नेतृत्व किया गया. साथ ही उनकी पी.डी एम.सी की पूरी टीम इस शिविर के लिए उपस्थित थी. आयोजन महाविद्यालय के 'राष्ट्रीय छात्र सेना,' 'राष्ट्रीय सेवा योजना',' क्रीडा विभाग', 'सांस्कृतिक विभाग', तथा 'रेड रिबन सोसायटी' का विशेष सहयोग से इस महारक्तदान शिविर के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था.आयोजन की भव्य सफलता में रॅक्तदान समिती के प्रमुख डॉ . आभाजी लाहोटी, डॉ . गायत्री तिवारी, डॉ. सतीशजी मोदानी, डॉ . रविंद्रकुमार शिरसाट, डॉ. सोनल चांडक, डॉ . माया वाटाने, डॉ सुनीता धोपटे, डॉ. गजेंद्र रघुवंशी, डॉ. अनिलकुमार प्रसाद, डॉ. अर्पिता लढ्ढा, डॉ रचना राठी , कॅप. डॉ. उमेशचंद्र मडावी, डॉ. आक्विब देशमुख, डॉ. संजय रेड्डी और महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी योने भरपूर परिश्रम किया और सहयोग दिया. श्री गणेशदास राठी विद्यालय तथा श्री प्रेमकिशोर सिकंची विद्यालय अमरावती मे सुबह 9 से 3 बजेतक भव्य रक्तदान का आयोजन किया है आप सभी उपस्तित रहाकर रक्तदान करणे का आव्हान संस्था के अध्यक्ष श्री वसंतकुमार मालपाणी सचिव डॉ गोविंदजी लाहोटी सह अमृत महोत्सव के संयोजक प्राचार्य डॉ विजयकुमार भांगडिया ने किया है.अमरावती जिले ही नहीं तो समूचे विदर्भ में बेहतरीन शिक्षा के लिए संस्था तथा संचालित विद्यालय महाविद्यालय को पहचाना जाता है.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

संकल्पों का हो नया साल,लक्ष्य तय करें,पूरा करें

पोद्दार इंटरनेशल स्कूल इंदौर के प्राचार्य सुधीर महाजन का प्रतिपादन, अच्छाई कभी नहीं छोड़े

प्रतिनिधि, 24 दिसंबर

अमरावती - क़हते हैं जब जागे तब सबेरा. नया साल 2026 सभी के जीवन को कामयाबी,स्वास्थ्य तथा समृद्धि के साथ ही अपार खुशियां दे, प्रभु चरणों में यही कामना. इसके साथ ही समय का उचित प्रबंधन करते हुए हम जीवन की कामयाबी हासिल करें और सदा मानवता धर्म को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए खुश रहें और खुशियां सभी को देने का प्रयास करें. संकल्पों के साथ ही हमें नए साल का लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन राष्ट्रीय स्तर के वक्ता, इंदौर पोद्दार इंटरनेशनल विद्यालय के प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया.

नववर्ष की सभी को एडवांस में शुभकामनाएँ देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में खुशियां बांटने वाले की खुशियां सदा बढ़ती हैं, ज्ञान बांटने वाले का ज्ञान और प्रेम बांटने वाले को प्रेम बढ़ता है. भारतीय संस्कृति विश्व व्यापी है, विश्व बंधुत्व की भावना रखती है, ऐसे में इसे नया साल मान लेते हैं और नए साल की सभी को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं. नये साल में हम अपनी कोई बुराई छोड़ने के साथ ही संकल्प करें कि मानवता की खुशियां के लिए हम सभी यथासंभव प्रयास करेंगे. इस आशय का आग्रह राष्ट्रीय वक्ता और

प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया. नए साल की शुभकामनाएं देने के साथ ही उन्हों ने कहा कि इस साल के अनुभवों और खट्टे मीठे अनुभवों को भुलाते हुए यह नया साल सभी के जीवन में उत्साह, तरक्की, बेहतरीन स्वास्थ्य जैसी खूबियां डाले और सभी के जीवन को खुशियों से भर दे, प्रभु चरणों में यही कामना.

वैसे तो भारतीय संस्कृति और संस्कार दुनिया में सबसे महान है. लेकिन इसके साथ ही दुनिया के साथ चलना है तो हमें भी कहीं समझदारी दिखानी पड़ती है. हमारा नववर्ष गुड़ी पाड़वा के दिन रहता है.उनके मुताबिक हमें इंसान के रूप में हम किसी व्यक्ति की किस तरह मदद कर सकते हैं, इस बारे में सोचना चाहिए.

पूर्व वर्ष की विदाई और नए वर्ष के स्वागत के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए सुख्यात शिक्षा शास्त्री एवं आदर्श प्राचार्य सुधीर महाजन ने बताया कि दिल से की गई सेवा कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, सेवा का काम अपने स्तर पर करना चाहिए. मानव सामाजिक प्राणि रहने के कारण इन्सान को इन्सान के काम आने का सदैव प्रयास करना चाहिए. तभी मानवता की मजबूत होती है. लेकिन दुर्भाग्य की आज स्वार्थ इन्सान पर हावी होता जा रहा है. नया साल संकल्पों का हो, इस साल हम अपने कामों से अगर कुछ लोगों के दिल में बेहतरीन जगह बना सके तो निश्चित ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी. यही कारण है कि अच्छे काम पर खर्च के लिए लोगों को विचार करना पड़ता है.

अपने जीवन का अनुभव बताते हुए सुधीर महाजन ने कहा कि माता-पिता के आदर्श संस्कार, अच्छी संगति, काम के प्रति समर्पण ने उन्हें सब कुछ दिया है. इससे अच्छाई को लेकर उनका विश्वास मजबूत हुआ है. दिल से किया जाने वाला कोई काम कभी फेल नहीं हो सकता है. ऐसे में हमें नए साल पर अपना शतप्रतिशत देने का प्रयास करने के साथ उचित समय प्रबंधन करना चाहिए. छात्र हैं तो पढ़ाई, नौकरी पर हैं तो प्रगति के लिए पूरा योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर मन में प्रसन्नता रहती है और सभी काम सफल होने में दिक्कत नहीं आती है.

सौ.प्राप्ती विलास मारोटकर

नांदगांव खंडेश्वर नगर पंचायत की नगराध्यक्षा चुने जाने पर आपको मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आपके कुशल नेतृत्व में शहर का विकास तेज होगा और मारोटकर परिवार की सेवा, समर्पण और लिया गया काम पूरा करने का संकल्प आप पूरा करेंगी, इसी कामना के साथ नगराध्यक्षा बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

प्रकाश मारोटकर मित्र मंडल, असंख्य शिवसैनिक पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता, नांदगांव खंडेश्वर, जि.अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450